दिल्ली के कैंपसों में प्लेसमेंट की बहार

डीयू में 1,000 स्टूडेंट्स को मिल सकती हैं जॉब

प्रमुख संवाददाता ॥ नॉर्थ कैंपस

डीयू में मौजूदा सेशन में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) के अब आखिरी दो राउंड और होने हैं। 26 मार्च और अप्रैल के पहले हफ्ते में कंपनियां कैंपस में सिलेक्शन के लिए आ सकती हैं। यूनिवर्सिटी इसके लिए तैयारियां कर रही हैं। यूनिवर्सिटी का कहना है कि सीपीसी के जरिए जॉब पाने वाले स्टूडेंट्स की संख्या में हर साल इजाफा हो रहा है और कंपनियों का रुझान डीयू की तरफ बढ़ा है। कैंपस ही नहीं बल्कि आउट ऑफ कैंपस कॉलेजों के स्टूडेंट्स को भी प्लेसमेंट मिल रहा है।

डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. गुलशन साहनी का कहना है कि अब तक 700 से ज्यादा स्टूडेंट्स को ऑफर लेटर मिल चुका है। पिछले साल यह संख्या करीब 700 थी। अप्रैल के पहले हफ्ते तक प्लेसमेंट के ये दोनों राउंड भी पूरे हो जाएंगे और जॉब पाने वाले स्टूडेंट्स की तादाद 1,000 तक भी पहुंच सकती है। उन्होंने बताया कि ग्रैजुएशन लेवल पर 700 से अधिक स्टूडेंट्स को जॉब मिला है। इस बार प्लेसमेंट प्रोसेस का विश्लेषण करते हुए वह बताते हैं कि कई नई कंपनियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इंडियन एयरफोर्स पहली बार डीयू में आई और दो बार सिलेक्शन के लिए कैंपस पहुंची। डॉ. साहनी बताते हैं कि यूनिवर्सिटी ने प्लेसमेंट प्रोसेस के लिए कुछ स्टैंडर्ड तय किए थे और उनके मुताबिक ही कंपनियों से बातचीत की गई। यह देखा गया कि स्टूडेंट्स के कस्यिर के लिहाज से उन्हें बेहतर चांस मिले। इसी कारण कई कंपनियों को मना भी किया गया।

वहीं यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल)

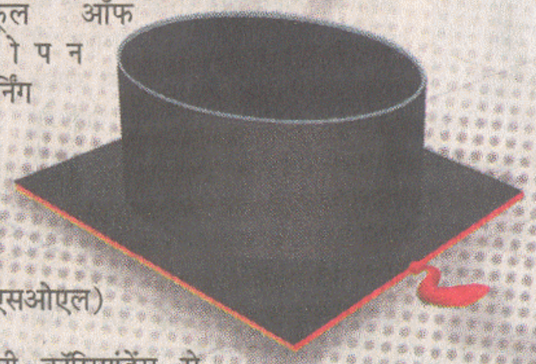

यानी कॉरिस्पांडेंस से ग्रैजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए भी कैंपस प्लेसमेंट की तैयारी कर रही है। खास बात यह है कि कई कंपनियां ओपन लर्निंग के स्टूडेंट्स को पार्ट टाइम जॉब देना चाहती हैं और इसके लिए कंपनियों ने डीयू को अप्रोच भी किया है लेकिन डीयू इस बारे में अभी पॉलिसी तैयार नहीं कर पाया है। दरअसल ओपन लर्निंग में स्टूडेंट्स की संख्या लाखों में है और इन स्टूडेंट्स के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस ही सबसे पहली चुनौती है। सीपीसी अधिकारियों का कहना है कि ओपन लर्निंग से ग्रैजुएशन करने वाले स्टूडेंट्स को जॉब की अधिक जरूरत होती है लेकिन यूनिवर्सिटी में उन्हें यह मौका नहीं मिल पाता। एसओएल में तीन लाख से अधिक स्टूडेंट्स हैं और इनमें से चाहे जितने स्टूडेंट्स की भी प्लेसमेंट हो, वह बहुत बेहतर होगा।

Gireesh

डीटीयू में 115 स्टूडेंट्स को एक से ज्यादा ऑफर

प्रमुख संवाददाता ॥ नई दिल्ली

दिल्ली टेक्नलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) में भी कैंपस प्लेसमेंट के मामले में इस बार स्टूडेंट्स को पहले के मुकाबले कहीं बेहतर मौके मिल रहे हैं। यहां अभी प्लेसमेंट प्रोसेस चल रहा है और सभी स्टूडेंट्स को जॉब ऑफर हो रहा है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, इस साल करीब 500 स्टूडेंट्स ने जॉब के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था और सभी को जॉब ऑफर हुआ है। 115 स्टूडेंट्स तो ऐसे हैं, जिन्हें एक से ज्यादा कंपनियों ने सिलेक्ट किया है यानी इन स्टूडेंट्स के पास अब कंपनी को चुनने का विकल्प है।

यूनिवर्सिटी के मुताबिक, पिछले साल जहां कैंपस में 138 कंपनियां आई थी और 683 स्टूडेंट्स को जॉब ऑफर किया गया था, वहीं इस बार अब तक 144 कंपनियां आ चुकी हैं और 800 लोगों को जॉब ऑफर हुआ है। आईटी सेक्टर की कंपनियों ने सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स को सिलेक्ट किया है। इसके बाद ऑटोमोबाइल, सिविल एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर की कंपनियों ने भी स्टूडेंट्स को चुना है। अब तक डीटीयू के 4 स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा यानी 11.8 लाख रुपये का पैकेज ऑफर हुआ है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, पिछले साल के मुकाबले औसत पैकेज में भी सुधार हुआ है। प्लेसमेंट में औसत पैकेज 6 लाख रुपये तक रहा है। इस बार पैकेज में 20 पर्सेंट तक का इजाफा देखने को मिल सकता है। इसके अलावा कंपनियां बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को सिलेक्ट कर रही हैं। मसलन इस बार तीन कंपनियों ने एक साथ 33, 27 और 25 स्टूडेंट्स को चुना है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि पिछले सालों तक स्टूडेंट्स प्लेसमेंट के दौरान सैलरी पैकेज को ही सबसे ज्यादा महत्व देते थे लेकिन अब वे बेहतर करियर और वर्क प्रोफाइल को देखते हुए भी कंपनी के ऑफर स्वीकार कर रहे हैं।

डीटीयू में एमबीए कोर्स को पूरा करने वाले स्टूडेंट्स का भी प्लेसमेंट चल रहा है। इस साल एमबीए के पहले बैच का प्लेसमेंट हो रहा है। डीटीयू के वाइस चांसलर प्रो. पी. बी. शर्मा के मुताबिक यूनिवर्सिटी मार्केट की डिमांड के मुताबिक कोर्स तैयार कर रही है। स्टूडेंट्स इंडस्ट्री में विजिट कर रहे हैं और प्रोजेक्ट वर्क पर भी खासा ध्यान दिया जा रहा है।

डीटीयू में अब तक 144 कंपनियां कैंपस सिलेक्शन के लिए आ चुकी हैं, आईटी सेक्टर की कंपनियों ने सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स को चुना है